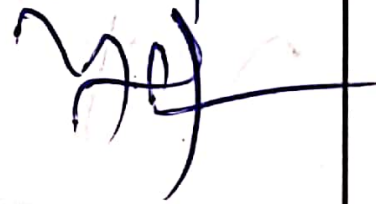


25/06/25

अधिवक्ता उमयपद 34 | अधिवक्ता अधीलॉट ने  
शार्चना पत्र वास्ते प्रकरण विद्वै करने बाबत प्रस्तुत  
कर निवेदन किया कि प्रकरण से संबंधित मूल वाद  
का निस्तारण अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष ही  
पुका है। अतः उक्त अपील पोषणीय नहीं होने से  
पारिष्य परिये विद्वै पारिष्य फरमार् पावे।

शार्चना पत्र का अंबलौदन किया गया। प्रकरण से  
संबंधित मूल वाद का निस्तारण होने के कारण उक्त  
अपील का डोर अचिंत्य नहीं रह जाता है। अतः  
उक्त अपील पोषणीय नहीं होने से पारिष्य विद्वैट  
पारिष्य की जाती है। पत्रावली फौसल सुमार होकर  
बाद आवश्यक कार्यवाही दायित्व युक्तर से।



कालेशुभ

By Viranku  
Shree Adv.